भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1841

दिनांक 09 मार्च, 2026 को उत्तरार्थ

.....

बाढ़ हेतु पूर्व-चेतावनी प्रणाली

1841. श्रीमती ममता ठाकुरः

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2023 से अब तक पश्चिमी बंगाल के सुंदरबन और उत्तरी तटवर्ती जिलों में स्थापित या उन्नत की गई बाढ़ पूर्व-चेतावनी प्रणालियों और वास्तविक समय सेंसरों की संख्या कितनी है; और

(ख) विगत दो वर्षों के दौरान इन जिलों के स्थानीय प्रशासन को जारी की गई चेतावनी की संख्या कितनी है और चेतावनियों की औसत पूर्व सूचना अवधि क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) और (ख): सुंदरबन डेल्टा के तटीय क्षेत्रों में अक्सर ज्वार की तेज़ लहरें उठती हैं, जिसके परिणामस्वरूप ग्रामीण इलाकों में गंभीर कटाव और जलभराव हो जाता है। भारत सरकार द्वारा पश्चिम बंगाल में दो स्थानों नामतः (i) सागर द्वीप समूह के दक्षिण-पूर्व और पश्चिम के बीच का क्षेत्र, और (ii) दीघा-मंदरमनी क्षेत्र पर तटीय प्रबंधन सूचना प्रणाली (सीएमआईएस) साइटें स्थापित करना अनुमोदित किया गया है:

प्रस्तावित सीएमआईएस साइटों का उद्देश्य तटीय प्रक्रियाओं पर निकटवर्ती डेटा एकत्र करना है, जो समुद्री राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वैज्ञानिक और डेटा-आधारित तटीय कटाव संरक्षण योजनाओं और प्रस्तावों के निर्माण में सहायता करेगा।

स्थानीय अधिकारियों को लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और अन्य राहत उपाय करने के लिए अधिक समय देने हेतु, केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा वर्षा-अपवाह गणितीय मॉडलिंग पर आधारित बेसिन-वार बाढ़ पूर्वानुमान मॉडल विकसित किया गया है। यह मॉडल चिन्हित बाढ़ पूर्वानुमान और जल प्रवाह पूर्वानुमान केंद्रों पर 7 दिन पहले बाढ़ पूर्वानुमान संबंधी चेतावनी प्रदान करता है, साथ ही 24 घंटे तक की प्रतिक्रिया अवधि वाला अल्पकालिक पूर्वानुमान भी उपलब्ध कराता है। इसका प्रसार समर्पित वेबसाइट https://aff.india-water.gov.in के माध्यम से किया जाता है।

सीडब्ल्यूसी की बाढ़ पूर्वानुमान सेवाएं संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) को जारी किए गए एकीकृत चेतावनी प्रसार मंच कॉमन अलर्ट प्रोटोकॉल (सीएपी) के साथ भी समन्वित हैं।

पश्चिम बंगाल के लिए पिछले दो वर्षों अर्थात् वर्ष 2024 और वर्ष 2025 के दौरान, क्रमशः 817 और 941 बाढ़ पूर्वानुमान (स्तर और अंतर्वाह) जारी किए गए थे।

*****